ओम जय शिव ओंकारा

www.BhajanSandhya.com

ओम जय शिव ओंकारा। प्रभु हर शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥ ॥ओम..॥

एकानन चतुरानन, पंचानन राजे। स्वामी (शिव) पंचानन राजे।
हंसासन गरूड़ासन, वृषवाहन साजे॥ ॥ओम..॥

दोभुज चार चतुर्भुज, दशभुज अति सोहे। स्वामी दशभुज अति सोहे।
तीनो रूप निरखते, त्रिभुवन जन मोहे॥ ॥ओम..॥

अक्षमाला वनमाला, मुण्डमाला धारी। स्वामी मुण्डमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारी, कर माला धारी॥
(Or - चन्दन मृगमद सोहे, भाले शशि धारी॥) ॥ओम..॥

श्वेतांबर पीतांबर, बाघंबर अंगे। स्वामी बाघंबर अंगे।
सनकादिक गरुडादिक, भूतादिक संगे॥ ॥ओम..॥

करमध्येन कमंडलु, चक्र त्रिशूलधारी। स्वामी चक्र त्रिशूलधारी।
सुखकर्ता दुखहर्ता, जग-पालन करता॥ ॥ओम..॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव, जानत अविवेका। स्वामी जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर ओम मध्ये, ये तीनों एका॥ ॥ओम..॥

काशी में विश्वनाथ विराजत, नन्दो ब्रह्मचारी। स्वामी नन्दो ब्रह्मचारी।
नित उठ दर्शन पावत, महिमा अति भारी॥ ॥ओम..॥

त्रिगुण स्वामीजी की आरती, जो कोइ नर गावे। स्वामी जो कोइ नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी , मन वांछित फल पावे॥ ॥ओम..॥
ओम जय शिव ओंकारा। प्रभु हर शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥ ॥ओम..॥

Om Jai Shiv Omkara – Shiv Aarti

Shiv Bhajan List - http://www.bhajansandhya.com/list/shiv-bhajan.html